एसएमएस अस्पताल लापरवाही का मामला उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन

गर्भवती को चढ़ाया गया गलत ब्लड ग्रुप, चिकित्सा मंत्री ने बुलाई आपात बैठक

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही का सनसनीखेज मामले में चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। एसएमएस की जांच कमेटी ने अपनी जांच में माना है कि लापरवाही के चलते टोंक निवाई से भर्ती एक गर्भवती महिला को इलाज के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ा दिया गया था, वहीं दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन अभी इस पर अडा हुआ है कि महिला की स्थिति पहले से ही नाजुक थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के बाद मंत्री ने पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की, जो तीन दिन में मामले की विस्तृत रिपोर्ट पेश करेगी।

- **तीन दिन में सौंपनी होगी रिपोर्ट, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई**
- **अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई पुष्टि**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने कहा है कि इस संवेदनशील मामले में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि महिला 9 मई से एसएमएस अस्पताल में भर्ती थी। उसकी हालत पहले से ही गंभीर थी। हीमोग्लोबिन कम, ऑक्सीजन लेवल गिरा हुआ और कई बीमारियों से ग्रसित होने के कारण वेंटीलेटर पर डिलीवरी की गई। इस दौरान ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाया गया, जिसकी पुष्टि खुद अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई है।

मंत्री खींवसर ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की ओर से पहले बनाई गई समिति की रिपोर्ट से संतुष्टि नहीं मिलने पर अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा की अध्यक्षता में नई उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। इस समिति में एसएमएस पूर्व अधीक्षक डॉ. नरपत सिंह शेखावत, मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहता, एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, राजमेस की उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा शामिल है।

बैठक में चिकित्सा मंत्री ने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर वार्ड में केवल प्रशिक्षित व अनुभवी स्टाफ को ही ड्यूटी पर लगाया जाए। इसके अलावा चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस आपात बैठक में चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, आयुक्त इकबाल खान, प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी सहित चिकित्सा महकमे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नरेट में साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत

साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू और पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत की।

जयपुर। साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने सहित ऑनलाइन खतरों की बढती चुनौनियो को निटपने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में शनिवार से राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की मदद की जाएगी। वहीं साइबर अपराध से कई बार महिलाएं और बच्चे परेशान होकर अवसाद में चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ितों की काउंसलिंग करने में मदद करेगा। साथ ही ट्रोमा से बाहर निकालने में मददगार साबित होगा।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेन्टर मुम्बई स्थित एनजीओ रेस्पोंसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा और कोगटा फाउंडेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और साइबर सेफ जयपुर अभियान के अंतर्गत साइबर वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

- **ऑनलाइन खतरों की बढ़ती चुनौतियों को निटपने के लिए बनाया सेंटर**
- **साइबर अपराध से सबसे अधिक दो चार हो रहे हैं बच्चे**

साइबर क्राइम और उससे जुड़े आंकड़ों पर काम कर रही टीम ने बताया कि साइबर स्पेस का उपयोग करने वाले तीन में से एक बच्चे को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ता है। 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर खतरों का हर स्टेज पर सामना करना पड़ा है। साइबर अपराध के 30 प्रतिशत मामले महिलाओं को लक्षित करते हैं। एनसीआरबी. के आंकड़ों के अनुसार फाइनेंस साइबर अपराध के मामलों में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। अकेले साइबर धोखाधड़ी के कारण 2024 में 2054 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ।

राजस्थान में हर साल लगभग 3000 साइबर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इनमें से 47.25 प्रतिशत पैसों से जुड़ा अपराध है। 30.16 प्रतिशत यूपीआई. घोटाले से सम्बन्धित है। 12 प्रतिशत सोशल मीडिया से सम्बन्धित है। 11 प्रतिशत यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित है। साइबर अपराधों में लोगों ने पिछले तीन साल में 1581 करोड़ रुपए गवा दिए। समय पर हस्तक्षेप के कारण पुलिस 676 करोड़ रुपए होल्ड करा सकी है। साइबर हेल्पलाइन पर साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और अन्य प्रकार से परेशान किया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं के शिकार होने के बारे में हर दिन लगभग 10/15 कॉल आते है।

साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग, रिवेंज पोर्न और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी सहित ऑनलाइन संकट के पीड़ितों को मुफ्त मनोवैज्ञानिक, कानूनी और तकनीकी सहायता प्रदान करना। शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से साइबर अपराधों के जोखिम को कम करने के लिए उपाय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना।

इंटरनेट की लत,ऑनलाइन उत्पीड़न या साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों से पीड़ित व्यक्तिओं के लिए उपचार की सेवा प्रदान करना। एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों, कानून प्रवर्तन और कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से साइबर कल्याण की वकालात करना।

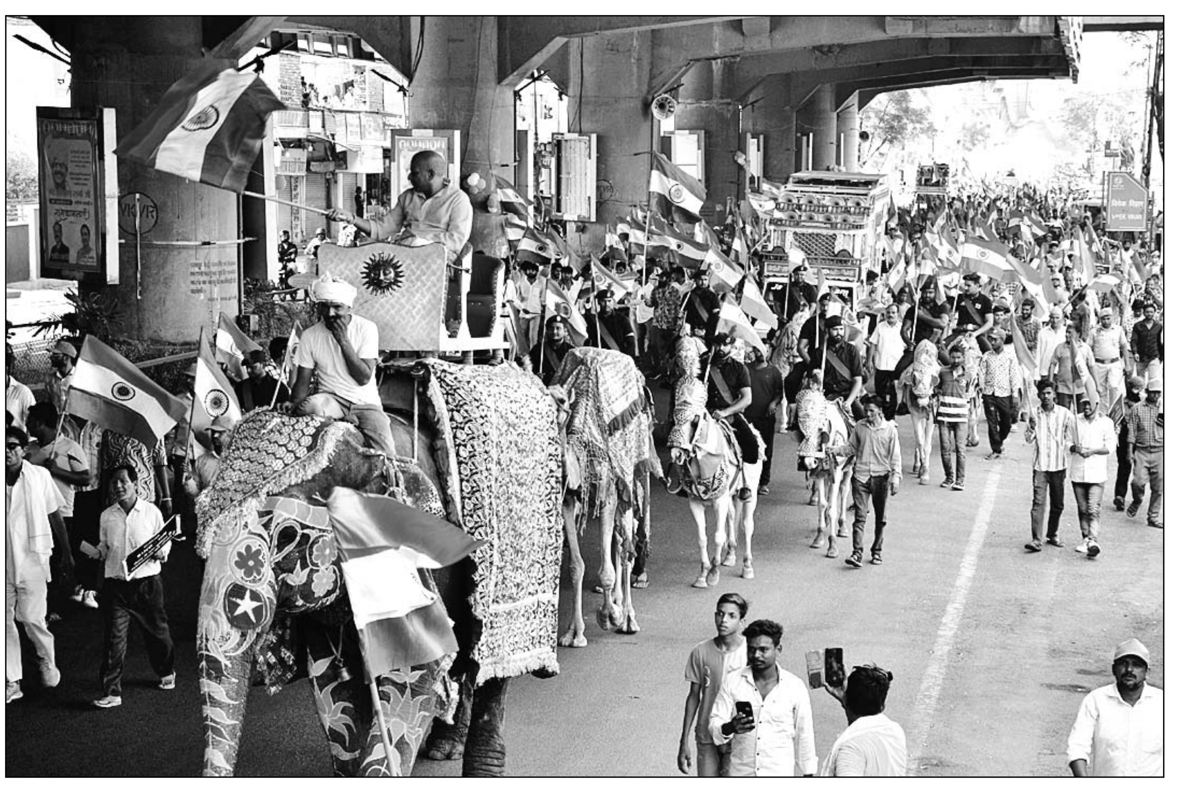

जयपुर में हाथों में तिरंगा थामे हजारों लोग गुर्जर की थड़ी चौराहे से बैकुंठनाथ मंदिर सोडाला तक चिलचिलाती धूप में पैदल चले। प्रचंड गर्मी के बावजूद वे पूरी ताकत से भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम के जयघोष लगाते हुए न्यू सांगानेर रोड को गुंजायमान कर रहे थे। यात्रा का नेतृत्व परमवीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर होशियार सिंह दहिया और मेजर शैतान सिंह के परिवार ने किया। यात्रा में डीजे पर बजते देश भक्ति तराने युवाओं में जोश और उत्साह का संचार करते हुए थिरकने को मजबूर कर रहे थे। वहीं, भारत माता, जम्मू-कश्मीर में बर्फीली पहाड़ियों पर सीमा की रक्षार्थ तैनात वीर जवानों और तोप की झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

राजापार्क में निकाली तिरंगा यात्रा

जयपुर। देश की सेना और वीर जवानों के सम्मान में आज मालवीय नगर विधानसभा के राजापार्क मंडल में तिरंगा यात्रा को विधायक कालीचरण सराफ ने रवाना किया। मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी ने बताया कि तिरंगा यात्रा राम मंदिर से शुरू होकर पंचवटी सर्किल,राजा पार्क चौराहा होते हुए परनामी मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। इस तिरंगा यात्रा में जगह-जगह पर व्यापार मंडल एवं स्थानीय निवासियों द्वारा 20 जगह पर पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया गया। इस रैली में महिलाओं की भी सक्रिय रूप से भागीदारी रही। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह, जसबीर सिंह, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, हिमांशु जैन, रमेश गुलाटी,महेश सैनी बच्चू, बलदेव सिंह, लक्ष्मण नूनीवाल, उषा टाटीवाल, कविता कटियार, धनराज महावर,हरीश खड़िया, प्रिया यादव,नरेंद्र कौर, राजेश शर्मा, दीनदयाल सैनी एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय निवासी एवं व्यापारी बंधु शामिल हुए।

जोधपुर विश्वविद्यालय में पेंशनर्स को छह माह से पेंशन नहीं

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन (रूपा) कार्यकारिणी की आज आपातकालीन बैठक विश्वविद्यालय अतिथि गृह में आयोजित की गई, इस बैठक में राज्य पोषित विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से जय नारायण विश्वविद्यालय जोधपुर में पिछले 6 माह से विश्वविद्यालय कर्मियों को पेंशन जारी नहीं किए जाने जैसे विषय की गंभीरता से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई, वह चर्चा के बाद कार्यकारिणी से जुड़े सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया , कि इस गंभीर विषय के संबंध में राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से एक विशाल धरना 26 मइ को राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति सचिवालय के समक्ष आयोजित किया जाएगा।

धरने में राजस्थान विश्वविद्यालय से जुड़े सभी पेंशनर्स भाग लेंगे। पेंशनर्स एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय से जुड़े कर्मियों व सभी पेंशनर्स से यह आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस धरने में शामिल हो, जिससे इस स्थिति का भविष्य में किसी को भी सामना नहीं करना पड़े।

चार कैदी चकमा देकर हुए फरार

जेल से इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर आए थे

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल से इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर आए चार कैदी पुलिस गार्ड और डॉक्टर को चकमा देकर फरार हो गए। इस सूचना के बाद पुलिस में खलबली मच गई। आनन फानन में पुलिस ने कड़ी नाका बंदी करवाई।

इस सूचना के बाद पुलिस कमिश्नर सहित अन्य अधिकारियों ने मिलकर सर्च अभियान शुरू किया और कई घंटे के प्रयास के बाद एसएमएस अस्पताल से भागे कैदियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल डीसीपी आसाराम ने बताया की शनिवार दोपहर को चार कैदियों को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर गए थे । जहां से कैदी पुलिस गार्ड और डॉक्टर को चकमा देकर फरार हो गए। कई घंटे तक चल

- **कई घंटे के प्रयास के बाद एसएमएस अस्पताल से कैदियों को अलग-अलग जगह से किया गिरफ्तार**

सर्च अभियान के बाद पुलिस ने दो बडियो को जालूपुरा से और दो कैदियों को जयपुर और एयरपोर्ट के नजदीक से पकड़ लिया। गिरफ्तार करने के बाद कैदियों को लाल कोठी थाने पर लाया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। इस पूरे प्रकरण में पुलिस अस्पताल प्रशासन और गार्डों की मिली भगत सामने आ रही है । कैदियों से पूछताछ के बाद उन्हें वापस जयपुर सेंटर जेल में छोड़ दिया गया।

चार छात्र फ्रांस में अध्ययन के लिये चयनित

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के यूरोपीय भाषाएँ, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन विभाग के एम.ए. फ्रेंच के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों गौरव गर्ग, पलक शर्मा, पलक तोषावर और भव्य सिंह शेखावत का चयन मेरिट के आधार पर, फ्रांस में एक सेमेस्टर अध्ययन के लिए हुआ है। यह अवसर समझौता ज्ञापन के अंतर्गत संभव हुआ है, जिससे अब तक विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय शैक्षिणक अनुभव प्राप्त हुआ है। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना काटेजा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षिणक आदान-प्रदान को सशक्त रूप से बढ़ावा दिया है। विभागाध्यक्ष डॉ. निधि रायसिंघानी के निरंतर मार्गदर्शन और विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने के प्रयास निश्चित रूप से लाभकारी सिद्ध हुए हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय के यूरोपीय भाषाएँ विभाग में स्नातकोत्तर (मास्टर्स) कार्यक्रम के अंतर्गत अध्ययन करना और साथ ही फ्रांस की प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में एक सेमेस्टर अध्ययन का अवसर प्राप्त होना, इस विभाग में अध्ययन का एक प्रमुख आकर्षण है।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं पर सख्त निगरानी, कोताही पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर। राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने साफ कहा है कि सेवाओं में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ज़रूरतमंदों को समय पर जांच, दवा और उपचार मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी जिलों के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच राजधानी से गांव-ढाणी तक मजबूत होनी चाहिए। लू-तापघात की स्थिति को देखते हुए तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के आदेश दिए गए हैं।

- **प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को 'पेशेंट फ्रेंडली' बनाने के निर्देश, लू-तापघात प्रबंधन पर विशेष ज़ोर**
- **सिलिकोसिस पीड़ितों को मिले तत्काल राहत, फर्जीवाड़े पर कड़ी कार्रवाई**

राठौड़ ने निर्देश दिए कि जांच, दवा, उपचार, उपकरणों की उपलब्धता और क्रियाशीलता की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कोई भी मरीज जांच मशीनें खराब होने के कारण परेशान न हो, इसके लिए संस्थानों में समय पर मेंटीनेंस कराया जाए। जांच मशीनें लंबे समय तक अक्रियाशील रहीं तो संस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। स्टाफ की कमी होने पर संविदा पर भर्ती कर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने निरामय राजस्थान को मिशन मोड में चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक आयु के हर नागरिक की एनसीडी स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय पर पूरा किया जाए। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान को और अधिक गति देने की जरूरत बताई गई।

सिलिकोसिस पीड़ितों को योजनाओं का लाभ देने में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए गए। लेकिन फर्जी दस्तावेज या जांच रिपोर्ट के ज़रिए लाभ उठाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को फायर सेफ्टी ऑडिट तत्काल कराने, भवनों का समय-समय पर निरीक्षण करने और ज़रूरत पड़ने पर मरम्मत करवाने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जांच अभियान चलाने और स्ट्रीट फूड से लेकर बड़े खाद्य उत्पादकों तक की सख्त निगरानी के आदेश दिए गए हैं। दिव्यांगजन प्रमाण-पत्र के लंबित मामलों को तीन महीने में समाप्त करने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कोई दिव्यांगजन प्रमाण के लिए चक्कर न काटे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया।

प्रदेश में फिर सिर उठाने लगा करोना

10 नए केस, 7 मरीज मिले जयपुर-जोधपुर से

जयपुर। करोना एक बार फिर राजस्थान में दस्तक देने लगा है। पिछले चार महीने तक जहां कोविड के मामले लगभग नगण्य थे, वहीं मई माह में अब तक 10 नए केस दर्ज हो चुके हैं। बीते 48 घंटे में 7 नए संक्रमित मिले हैं, जिनमें 4 मरीज जोधपुर एम्स और 3 जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सामने आए हैं। चिंता की बात ये है कि इन सभी मामलों में करोना के नए सब-वैरियंट-1 की आशंका जताई जा रही है, जो फिलहाल एशियाई देशों में तेजी से फैल रहा है। इसे देखते हुए चिकित्सा विभाग ने जीनोम सीक्वेंसिंग की प्रक्रिया तेज कर दी है और अस्पतालों को अलर्ट मोड में डाल दिया गया है।

अचानक बढ़े मामलों ने बढ़ाई चिंता

करोना के अचानक बढ़े मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2025 के पहले चार महीनों में पूरे राज्य में केवल दो करोना पॉजिटिव केस सामने आए थे। मगर मई की शुरुआत से ही मामले बढ़ने लगे हैं। खासकर बीते दो दिनों में संक्रमितों की संख्या में तीव्र उछाल देखा गया है। जोधपुर एम्स में पाए गए चार संक्रमितों में तीन बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र 5 महीने से 12 साल के बीच है। चौथा मरीज 38 वर्षीय युवक है। वहीं, जयपुर में तीन नए केस सामने आए हैं।

- **ओमिक्रॉन का सब-वैरियंट-1 सक्रिय, चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर**

वैरियंट की पहचान ज़रूरी

चिकित्सा विभाग ने सभी नए संक्रमितों के सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग शुरू कर दी है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल की हालिया बैठक में यह पुष्टि हुई है कि यह नया संक्रमण ओमिक्रॉन के सब-वैरियंट-1 से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस वैरियंट से न तो अब तक किसी की मौत हुई है और न ही कोई गंभीर मामला रिपोर्ट हुआ है। मरीज साधारण दवाओं से ठीक हो सकते हैं।

सतर्कता ज़रूरी, डर नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि अभी घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की ज़रूरत है। लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मास्क और सैनिटाइजर का फिर से उपयोग बढ़ाएं, भीड़भाड़ वाली जगहों में सावधानी बरतें।

ऐसे बढे करोना के केस

मई में अब तक 10 नए करोना केस, जनवरी से अप्रैल तक केवल 2 केस, बीते 48 घंटे में 7 नए केस, 4 जोधपुर, 3 जयपुर के हैं।

इनका कहना है :

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि अभी तक किसी भी केस में घातक लक्षण सामने नहीं आए हैं। देशभर में पैनिक जैसी कोई स्थिति नहीं है। पर हमने सभी अस्पतालों को निर्देश दे दिए हैं कि यदि कोई संदिग्ध मरीज आता है, तो उसकी तुरंत जांच की जाए।

डबल स्टैंडर्ड की सरकार, जो पक्ष-विपक्ष के लिए चाहती है अलग कानून : डोटासरा

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कंवरलाल मीणा मामले में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी और भजनलाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने में आखिर 24 दिन की देरी क्यों की गई? इस मामले में जानबूझकर कानून का उल्लंघन किया गया है।

इसी के साथ भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता होने के बाद अब अंता विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर डोटासरा ने कहा कि अंता उपचुनाव में कांग्रेस की जीत होगी। पिछली बार ही चार से पांच हजार वोटों का अंतर था। जिस व्यक्ति पर 27 मुकदमे दर्ज हों, वहां भाजपा ने बूथ कैप्चरिंग की। कुछ लोगों ने डर की वजह से वोट दे दिए थे, लेकिन अब वहां कांग्रेस की जीत होगी।

प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले से जनता में गलत संदेश गया है। ये कहते हैं कि हम डबल इंजन की सरकार है। यह डबल इंजन की नहीं, डबल स्टैंडर्ड की सरकार हैं जो अपने लिए अलग कानून चाहती है और विपक्ष के लिए अलग कानून चाहती है। जब राहुल गांधी की सदस्यता 24 घंटे के अंदर खत्म कर दी गई थी तो फिर भाजपा विधायक की सदस्यता रद्द करने में 24 दिन का समय क्यों लिया गया?

रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हुआ

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में रात्रि चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सांगानेर के अजयराजपुरा में रात्रि चौपाल का आयोजन कर आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी एवं त्वरित निरस्तारण किया गया। इस दौरान 100 से अधिक धारा-136 के तहत शुद्धि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर श्री हिम्मत सिंह एवं पंचायती राज, विधुत विभाग, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत अजयराजपुरा के अलावा आस-पास के लगभग 10-12 गांव चिरोटा, जगन्नाथपुरा, भांकरोटा खुर्द इत्यादि के लगभग 250 से ज्यादा लोगों ने भाग लेकर अपनी पेयजल, विद्युत समस्या व अन्य समस्या बताई। पेयजल, विद्युत अन्य समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तुरंत समाधान करवाया गया।

रात्रि चौपाल में मूल समस्या रिकॉर्ड शुद्धि को लेकर सामने आई जिसे लेकर

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सांगानेर के अजयराजपुरा में शनिवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

काफी वर्षों से ग्रामीण लोग परेशान होते चले आ रहे थे। उक्त समस्याओं को मौके पर उपखण्ड अधिकारी हिम्मत सिंह द्वारा सुना गया एवं 100 से अधिक धारा-136 के तहत शुद्धि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

ग्राम अजयराजपुरा से आये काश्तकार गोपाल पुत्र मोहरिया का जमाबंदी में नाम गलत नाम जिसे गोपाल पुत्र मोहरू कर तुरंत राहत प्रदान की साथ ही ग्राम जगन्नाथपुर के काश्तकार का नाम जमाबंदी में नाम सूरज करण पुत्र नाथू से सूरजमल पुत्र नाथूराम किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में रात्रि चौपाल को लेकर काफी हर्ष की लहर थी।

रात्रि चौपाल में उपखण्ड अधिकारी हिम्मत सिंह के साथ उप तहसीलदार बगरू, पटवारी, गिरदावर व अन्य पटवारीगण की टीम उपस्थित रही। उक्त रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की श्रीमती विनीता सिंह (एडीएम प्रथम) द्वारा उपखण्ड अधिकारी व उनकी टीम की सराहना की।